निहिता जीवस्य निर्गच्छतः K. P. 8; see अनर्गल also. -2 A wave or billow. -3 The leaf of a door (कपाटम्). -4 A kind of 'stotra' or hymn.

अर्गलिका A small door-pin, small bolt.

अर्गलित *a.* Fastened by a bolt, chained, bolted; °द्वारा K. 357.

अर्गलीय, -ल्य *a.* Belonging to a bolt or pin.

अर्घ् 1 P. [अर्घति, आर्घितुं, अर्घित] To be worth, have value, to cost; परीक्षका यत्र न सन्ति देशे नार्घन्ति रत्नानि समुद्रजानि Subhāsh.

अर्घः [अर्घ्-घञ्] 1 Price, value; कुर्युरर्घं यथापण्यम् Ms. 8. 398; Y. 2. 251; कुत्स्याः स्युः कुपरीक्षका हि मणयो यैरर्घतः पातिताः Bh. 2. 15 reduced in their true value, depreciated; so अनर्घ priceless; महार्घ very costly. -2 A material of worship, respectful offering or oblation to gods or venerable men, consisting of rice, Dūrvā grass &c. with or without water; दूर्वासर्षपपुष्पाणां दत्वार्घं पूर्णमञ्जलिम् Y. 1. 290; कुटजकुसुमैः कल्पितार्घाय तस्मै Me. 4; (the ingredients of this offering are :— आपः क्षीरं कुशाग्रं च दधि सर्पिः सतण्डुलम्। यवः सिद्धार्थकश्चैव अष्टाङ्गोऽर्घः प्रकीर्तितः॥ -तन्त्रम् cf. also रक्तबिल्वाक्षतैः पुष्पैर्दधिदूर्वाङ्कुशैस्तिलैः। सामान्यः सर्वदेवानामर्घोऽयं परिकीर्तितः॥ -देवीपुराणम् and आपः क्षीरं कुशाग्राणि घृतं मधु तथा दधि। रक्तानि करवीराणि तथा रक्तं च चन्दनम्। अष्टाङ्ग एष ह्यर्घो वै भानवे परिकीर्तितः॥ -काशीखण्डः cf. also अर्घः पूजाविधौ मूल्ये...। Nm. see अर्घ्य below. -Comp. **-अपचयः** The diminution of price. **-अर्ह** *a.* worthy of a respectful offering. **-ईश्वरः** Śiva. **-दानम्** presentation of a respectful offering. **-बलाबलम्** rate of price, proper price, the cheapness or dearness of articles, fall or rise in prices; गन्धानां च रसानां च विद्यादर्घबलाबलम् Ms. 9. 329. (cf. अर्घस्य ह्रासं वृद्धिं वा...। Y. 2. 249.) **-संख्यानम्, -संस्थापनम्** fixing the price of commodities, appraising, assizes of goods; कुर्वीत चैषां (वणिजां) प्रत्यक्षमर्घसंस्थापनं नृपः Ms. 8. 402.

अर्घीशः N. of Śiva.

अर्घ्य *a.* [अर्घ-यत् अर्घमर्हति] 1 Valuable; अनर्घ्य invaluable; अनर्घ्यमपि माणिक्यम् see s. v. -2 Venerable, deserving respectful offering; तानर्घ्यानर्घ्यमादाय दूरात्प्रत्युद्ययौ गिरिः Ku. 6. 50; Śi. 1. 14; Y. 1. 110. **-र्घ्यम्** 1 A respectful offering or oblation to a god or venerable person (see अर्घ); अर्घः पूजाविधिः तदर्थं द्रव्यम् अर्घ्यम् Sk.; अर्घ्यमस्मै V. 5.; ददतु तरवः पुष्पैरर्घ्यं फलैश्च मधुश्चुतः U. 3. 24; अर्घ्यमर्घ्यमिति वादिनं नृपम् R. 11. 69; 1. 44; Ku. 1. 58, 6. 50; (it often consists only of water given in a droṇa and forms part of the Madhuparka ceremony). -2 A kind of honey.

अर्घटम् Ashes.

अर्च् 1 U. (अर्चति-ते, आनर्च, आर्चीत्, अर्चितुम्, अर्चित) 1 (*a*) To adore worship, salute, welcome with respect; प्रणम्य चानर्च विशालमस्याः शृङ्गान्तरं द्वारमिवार्थसिद्धेः R. 2. 21, 1. 6, 90; 4. 84, 12. 89; Ms. 3. 93; आर्चीद् द्विजातीन् परमार्थविन्दान् Bk. 1. 15, 14. 63; 17. 5; यस्यार्चत्यसौ शासनम् Mv. 1. 29 honours, respectfully obeys. (*b*) To honour, *i. e.* decorate, adorn; स्वकुसुमैरर्चन्ति गोदावरीम् U. 2. 9. -2 To praise (Ved.) -3 To shine. 10 P. or *Caus.* 1 To honour, adore, worship; स्वर्गौकसामर्चितमर्चयित्वा Ku. 1. 59. -2 To praise. -3 To cause to shine; हर्यन्नुषसमर्चयः Rv. 3. 44. 2. *-Desid.* [अर्चिचिषति] To wish to worship; -With **अनु** to congratulate, hail with joy. **-प्र** 1 to praise, sing praises of. -2 to honour, worship; प्रानर्चुरर्च्या जगदर्चनीयम् Bk. 2. 20; *-caus.* to honour. **-सम्** 1 to worship, adore. -2 to fix, settle, establish.

अर्च *a.* Ved. Shining; अस्मा एतद् दिव्यर्चेव मासा Rv. 6. 34. 4.

अर्चक *a.* [अर्च्-ण्वुल] Worshipping, adoring. **-कः** A worshipper; गुरुदेवद्विजार्चकः Ms. 11. 224.

अर्चत्रि *a.* Ved. [अर्च वेदे बाहु° अत्रि] Adorable, venerable (Sāy.); roaring aloud, singing loudly. अर्चत्रयो धुनयो न वीरा Rv. 6. 66. 10.

अर्चत्र्य a. Ved. to be praised or worshipped. अर्चत्र्यो मघवा नृभ्य उक्थैः Rv. 6. 24. 1.

अर्चन *a.* [अर्च्-ल्युट्] worshipping, praising. **-नम्, -ना** Worshipping, reverence or respect paid to deities and superiors.

अर्चनानस् *m.* N. of a Ṛiṣi belonging to the Atri family; नरा बिभ्रतावर्चनानसम् Rv. 5. 64. 7.

अर्चनीय, अर्च्य *pot. P.* [अर्च्-अनीयर् ण्यत्] To be adored or worshipped, venerable, adorable, respectable. R. 2. 10; प्रानर्चुरर्च्यं जगदर्चनीयम् Bk. 6. 70.

अर्चयितव्य *a.* worthy of being worshipped or adored, adorable. गुरवोऽर्चयितव्याश्च पुराणं धर्ममिच्छता Mb. 12. 109. 21.

अर्चा [अर्च्-अङ्] 1 Worship, adoration; अर्चायामेव हरये पूजां यः श्रद्धयेहते Bhāg. 11. 2. 47. -2 An idol or image intended to be worshipped; मौर्यैर्हिरण्यार्थिभिरर्चाः प्रकल्पिताः Mbh. 5. 3. 99. (there is some dispute among scholars as to the precise meaning of this passage); अर्चापूजाप्रतिमयोः Nm.

अर्चिः *f.* [अर्च्-इन] Ray, flame (of fire or of the morning twilight); आसीदासन्ननिर्वाणः प्रदीपार्चिरिवोषसि R. 12. 1; नैशस्यार्चिर्हुतभुज इव च्छिन्नभूयिष्ठधूमा V. 1. 9.

अर्चिमत्, -वत् *a.* Ved. Shining; उत त्या मे रौद्रावर्चिमन्ता Rv. 10. 61. 15; उद्यन्नक्षत्रमर्चिवत् Rv. 7. 81. 2.

अर्चित *p. p.* Worshipped, respected, honoured; R. 10. 55; Ms. 4. 235; स्वर्गौकसामर्चितमर्चयित्वा Ku. 1. 59.

अर्चितिन् *a.* Honouring, adoring.